रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में गायब बाघ

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के मुख्य वन्यजीव वार्डन के अनुसार, रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान (RNP) में बाघ 2023 से गायब हो गए हैं।

मुख्य बिंदु

- रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में वर्तमान में 900 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में **शावकों सहित 75 बाघ हैं,** जिसके परिणामस्वरूप **क्षेत्रीय संघर्ष** होता है।
    - भारतीय वन्यजीव संस्थान **के अध्ययन (2006-2014)** के अनुसार, उद्यान लगभग 40 वयस्क बाघों को स्थायी रूप से आश्रय दे सकता है।
- यह हालिया घटना **एक वर्ष में** इतनी बड़ी संख्या में **बाघों के गायब होने की आधिकारिक सूचना** देने का **पहला मामला** है।
    - **बफर ज़ोन** से गाँवों को स्थानांतरित करके उद्यान पर दबाव कम करने के **प्रयास सुस्त रहे हैं,** सबसे हालिया स्थानांतरण वर्ष 2016 में हुआ।
- **रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान:**
    - **अवस्थिति:**
        - यह राजस्थान राज्य के पूर्वी भाग में **करौली और सवाई माधोपुर ज़िलों** में अरावली एवं विंध्य पर्वत शृंखलाओं के संगम पर स्थित है।
        - इसे **वर्ष 1973 में बाघ अभयारण्य घोषित किया गया।**
    - **शामिल उद्यान और अभयारण्य:**
        - इसमें **सवाई मानसिंह और केलादेवी अभयारण्य** शामिल हैं।
- **वनस्पति:**
    - वन प्रकार मुख्य रूप से **उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती है**, जिसमें **'ढाक' (ब्यूटिया मोनोस्पर्मा)**, वृक्ष की एक प्रजाति है जो लंबे समय तक सूखे को झेलने में सक्षम है, सबसे आम है।
- **वन्य जीवन:**
    - यह उद्यान वन्य जीवन से समृद्ध है, तथा **स्तनधारियों में बाघ खाद्य शृंखला के शीर्ष पर हैं।**
    - यहाँ पाए जाने वाले अन्य जानवर हैं तेंदुए, धारीदार लकड़बग्घा, कॉमन या हनुमान लंगूर, रीसस मकाक, सियार, जंगली बिल्लियाँ, **कैराकल, काला हिरण,** ब्लैकनेप्ड खरगोश और चिंकारा आदि।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (Panthera Tigris) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES : परिशिष्ट-I
- WPA 1972 : अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/missing-tigers-in-ranthambore-national-park